3/2/22 डा. गिरजा उराँव
सहायक प्रोफेसर
विषय - मनोविज्ञान (3)

स्नातक भाग - II

3. साहित्य समीक्षा (Literature review) - इस अवस्था में शोध समस्या से सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा की जाती है। जो शोध समस्या से प्रत्यक्ष रूप से अथवा अप्रत्यक्ष रूप से संबंध होते है। समस्या से ज्ञात अध्ययनों की समीक्षा से कई तरह का लाभ होते हैं शोध समस्या के संबंध में शोधकर्ता को इस बात की जानकारी मिलती है कि यह शोध कहाँ तक सार्थक है।

4. परिकल्पनायें (Hypotheses) - शोध की इस अवस्था में परिकल्पना का अर्थ वह अनुमानित कथन है जिसका निर्माण शोधकर्ता वास्तविक शोध के पहले ही करता है। इस अनुमानित कथन में शोध के परिणामों के संबंध में भविष्यवाणी की जाती है। वास्तविक शोध के बाद जो परिणाम प्राप्त होते हैं उनके आधार पर यह भविष्यवाणी सही भी हो सकती है और गलती भी। परिकल्पनाओं का निर्माण करते समय शोधकर्ता कई बातों पर ध्यान देता है। परिकल्पनाओं का निर्माण कई स्त्रोतो के आधार पर किया जाता है व्यक्तिगत अनुभव पुस्तक पत्रिकाओं शोध-सार आदि महत्वपूर्ण है।

5. अध्ययन विधि (method of study) - इस अवस्था में निम्नलिखित तीन बातों का उल्लेख है - (a) प्रतिदर्श (b) अध्ययन-अभिकल्प (c) उपकरण तथा परीक्षण (d) सांख्यिकीय विधि अनुसंधान की इस पाँचवी अवस्था में आवश्यकता के अनुसार व्यवहार में लाया जाता है। इनमें बारंबारता बहुभुज, आयत-चित्र दण्ड आरेख संचयी बारंबारता वक्र आदि मुख्य है।